अंतर्निहित शक्तियों की जागृति के लिए जरूरी है अध्यात्म

इन्दौर। विश्व में जितने भी महापुरुष हुए हैं उनका जीवन सादगीपूर्ण होने के बावजूद भी उनमें आध्यात्मिक शक्ति थी।

उक्त उद्‌गार ओरियंटल युनिवार्सिटी के कुलाधिपति के.एल.ठकराल ने शिक्षा प्रभाग द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय सेमिनार का उद्‌घाटन करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आज हमें यह अनुभव हो रहा है कि यह हमारे जीवन का टर्निंग प्वाइंट है। हमारे देश की नैतिकता का जो ह्रास हुआ है उसे हम अध्यात्म द्वारा ही वापस ला सकते हैं।

इंदौर जोन के क्षेत्रिए निदेशक ब्र.कु.ओमप्रकाश भाई जी ने कहा कि जिस प्रकार बीज को अंकुरित होने के लिए अनुकूल जलवायु की आवश्यकता होती है उसी प्रकार स्वयं में अंतर्निहित क्षमताओं को उजागर करने के लिए स्वयं की लगन, स्वयं की पहचान, परमात्मा की पहचान का होना आवश्यक है।

मुम्बई के ई.वी.स्वामीनाथन ने कहा कि हमें तन के साथ-साथ मन का भी शिक्षक होना चाहिए। तभी हम दूसरों की भावनाओं को समझ सकेंगे। उन्होंने कहा कि समय के साथ परिवर्तन होना समय की मांग है।

कार्यक्रम का कुशल संचालन प्रो.राजीव शर्मा ने किया। शिक्षा प्रभाग की क्षत्रीए समन्वयक ब्र.कु.शशि बहन ने सभी का आभार प्रगट किया और ब्र.कु.शकुंतला एवं ब्र.कु.ऊषा बहन ने अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छों से किया।

इंदौर। अग्रसेन जयंति के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु.उषा बहन साथ में हैं समाज सेवी हरि अग्रवाल एवं ब्र.कु.सुमित्रा बहन।

राजेंद्र नगर। आर.आर.प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्रो.स्वामीनाथन।

व्यापार एवं उद्योग में सफलता के लिए अध्यात्म को अपनाएं

बूंदी। व्यवसाय में सफलता प्राप्त करने का उद्देश्य सिर्फ आर्थिक उन्नति नहीं है बल्कि अपने परिवार खुशहाल रखना भी है।

उक्त उद्‌गार व्यापार एवं उद्योग प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक एवं जयपुर के प्रसिद्ध उद्योगपति मदनलाल शर्मा ने उद्योग जगत से जुड़े हुए लोगों के लिए 'आध्यात्मिक शक्तियों द्वारा व्यापार में उन्नति एवं निश्चिंत जीवन' विषय पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि व्यापार में राजयोग को अपनाकर सहज ही हम सफलता प्राप्त कर सकते हैं। हमें व्यवसाय में बिजी भी रहना तो ईजी भी रहना है, जिससे हम अपना व्यवहार भी अच्छा बना सकते हैं। व्यापार एवं उद्योग प्रभाग की मुख्यालय संयोजिका ब्र.कु.गीता बहन ने कहा कि व्यापार में हमें लाभ होना चाहिए, लेकिन लाभ को लोभ में परिवर्तित नहीं होने देना चाहिए। हमें यह समझना चाहिए कि धन जीवन के लिए न कि जीवन धन के लिए है। धन से बड़ी सम्पत्ति ज्ञान और हमारे संस्कार हैं जो कि हम अपने बच्चों में देते हैं। यही उनके जीवन का आधार बनता है। इसलिए हमें अपने व्यवसाय में से कुछ समय निकलकर प्रभु स्मृति में रहना चाहिए।

इस अवसर पर पूर्व राज्यमंत्री हरिमोहन शर्मा, विधायक अशोक डोगरा एवं रोटरी क्लब तथा अन्य संस्थाओं और व्यापारी वर्ग की ओर माउण्ट आबू की ब्र.कु.गीता बहन एवं ब्र.कु.छाया बहन को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम को ब्र.कु.छाया बहन एवं ब्र.कु.कमला बहन ने भी सम्बोधित किया।

इंदौर, महालक्ष्मी नगर। चैतन्य देवियों की झांकी का उद्‌घाटन करते हुए स्वास्थ्य मंत्री महेंद्र हार्डिया, अर्जुन गौड़, ब्र.कु.अनिता बहन तथा अन्य।

कुसमुण्डा। कोयला प्रक्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु.बिन्दु बहन एवं मंचासीन हैं उपमहाप्रबंधक एसईसीएल ए.सुरेन्द्र, कार्मिक प्रबंधक सत्यनारायण, ब्र.कु.लीला बहन तथा अन्य।

स्वास्थ्य एवं तनाव प्रबंधन में मूल्यों की अहम् भूमिका

जबलपुर, नेपियर टाउन। रेलवे सुरक्षा बल के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु.श्वेता बहन ने कहा कि हमें किसी भी कार्यक्षेत्र में मूल्यों की अत्यंत आवश्यकता होती है। हम अपने जीवन को जितना मूल्यनिष्ठ बनायेंगे उतना ही हमारा जीवन सुख-शांति से भरपूर होगा। मूल्यों की कमी के कारण ही जीवन में तनाव उत्पन्न होता है जिससे अनेक मानसिक बीमारियों का जन्म होता है। सकारात्मक चिंतन के द्वारा ही हम तनाव पर नियंत्रण रख अपनी मानसिक क्षमता को बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा यह जीवन अमूल्य है अत: इसकी कीमत को समझकर हमें इसे व्यर्थ में ही नहीं गंवाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजयोग जीवन जीने की वह पद्धति है जिस पर चलकर व्यक्ति स्वयं को सुरक्षित और आत्मविश्वास से भरपूर अनुभव करता है। इसके पश्चात् उन्होंने राजयोग द्वारा सभी को गहन शांति की अनुभूति कराई।

डॉ.श्याम जी रावत ने कहा कि जितनी हमारी दिनचर्या सुव्यवस्थित रहेगी उतना ही हम मानसिक रूप से हल्के रहेंगे।

रेलवे के आई.जी. सुभाषचंद्र सिन्हा ने भी स्वास्थ्य एवं तनाव प्रबंधन पर अपने विचार प्रगट किये। डी.आर.एम अनिल कुमार गुप्ता ने कहा कि हमें अपने जीवन में नियमित रूप से राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास अवश्य करना चाहिए।

मुसाखेड़ी। पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण ले रहे भाई-बहनों को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु.कुसुम बहन।

टिकरापारा, बिलासपुर। रेलवे लोको प्रशिक्षण केंद्र में विश्वकर्मा जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु.मंजु बहन तथा ध्यानपूर्वक सुनते हुए रेलवे के अधिकारी।

इंदौर, श्रीनगर। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की झांकी का उद्‌घाटन करने के पश्चात् समूह चित्र में हैं पंडित अशोक भट्ट, पंडित धर्मेन्द्र भट्ट, ब्र.कु.मीरा बहन तथा अन्य।

खंडवा। 'नैतिक मूल्यों की धारणा' विषय पर छात्राओं को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु.सुरेखा बहन।